GOVT LAUNCHES RS 2,540 CR UPGRADE DRIVE FOR AKASHVANI & DOORDARSHAN

India's public broadcasting networkhas rolled out a Rs 2,539.61 crore infrastructure overhaul.

In a decisive move to future-proof India's public broadcasting network, the government has rolled out a Rs 2,539.61 crore infrastructure overhaul for Akashvani (All India Radio) and Doordarshan Kendras under the Broadcasting Infrastructure and Network Development (BIND) Scheme for 2021–26. The initiative is designed to modernise outdated systems, enhance studio and transmission quality, and integrate new-age digital technologies across the national network.

Minister of State for Information and Broadcasting Dr. L. Murugan, in a written reply to the Lok Sabha, confirmed that the programme covers every state, with Bihar among the key beneficiaries. "The Kendras are being upgraded under the Central Sector Scheme, BIND. This includes major upgrades throughout the country, including Bihar, to strengthen public broadcasting," he said.

DIGITALISATION AT THE CORE

The BIND scheme's blueprint focuses on:

- Digitalisation and modernisation of broadcasting equipment.
- Replacement of legacy and analogue systems.

आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए 2540 करोड़ रुपये के अपग्रेड अभियान की शुरूआत की सरकार ने

भारत के सार्वजनिक प्रसारण नेटवर्क ने 2539.61 करोड़ रु. के बुनियादी ढ़ांचे के पूर्ण बदलाव की शुरूआत की है।

भारत के सार्वजनिक प्रसारण नेटवर्क को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए, सरकार ने **2021–26** के लिए प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (BIND) योजना के तहत आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) और दूरदर्शन केंद्रों के लिए **2539.61** करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी ढ़ांचे में सुधार की शुरूआत की है। इस पहल का उद्देश्य पुरानी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना, स्टूडियो और प्रसारण की गुणवत्ता में सुधार करना और राष्ट्रीय नेटवर्क में नये युग के डिजिटल तकनीकों को एकीकृत करना है।

सूचना व प्रसारण राज्य मंत्री डॉ.एल.मुरूगन ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह पुष्टि की कि यह कार्यक्रम सअभी राज्यों को कवर करता है जिसमें बिहार प्रमुख लाभार्थियों में से एक है। उन्होंने कहा 'केंद्रों को केंद्रिय क्षेत्र योजना, बीआईएनडी के तहत अपग्रेड किया जा रहा है। इसमें सार्वजनिक प्रसारण को मजबूत करने के लिए बिहार सहित पूरे देश में बड़े आधुनिकीकरण शामिल हैं।

डिजीटलीकरण मूल में है

बीआईएनडी योजना का खाका निम्नलिखित पर केंद्रित हैः

- प्रसारण उपकरणों का डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण
- पुरानी और एनालॉग प्रणालियों का प्रतिस्थापन।

- Upgradation of studio and transmitter infrastructure.
- Adoption of advanced technologies and digital workflows.

These upgrades are aimed at improving both reach and quality, while ensuring the public broadcasters remain competitive in an environment increasingly dominated by private television channels and digital streaming platforms.

REGIONAL INVESTMENTS

In Bihar, the modernisation drive comes with a capital commitment of Rs 64.56 crore for Akashvani Kendras and Rs 4.31 crore for Doordarshan Kendras. This funding will support the introduction of digital transmission equipment, revamped production facilities, and upgraded content delivery systems to enhance audience experience.

STRENGTHENING PUBLIC SERVICE BROADCASTING

The government has positioned the BIND scheme as part of a broader strategy to reinforce public broadcasting's role in delivering reliable news, cultural programming, and educational content, particularly in underserved rural and regional markets.

By upgrading infrastructure on a national scale, the initiative aims to:

- Extend high-quality audio-visual content to remote and border areas.
- Enhance emergency broadcasting capabilities.
- Support the production of region-specific content in multiple languages.

STAYING RELEVANT IN A SHIFTING MEDIA LANDSCAPE

With changing audience habits and the rapid rise of digital-first consumption, the modernisation of Akashvani and Doordarshan is seen as critical for retaining relevance. The planned upgrades will not only improve technical capabilities but also open the door for hybrid and interactive formats, bringing public broadcasters closer to younger, tech-savvy audiences.

If implemented effectively, the BIND scheme could mark the most significant transformation of India's state-owned broadcasting infrastructure in decades, positioning Akashvani and Doordarshan to compete for attention in a fragmented, on-demand media market.■

- स्टूडियो और ट्रांसमीटर अवसंरचना का आधुनिकीकरण।
- आधुनिकी तकनीकों और डिजिटल वर्कफ्लो को अपनाना।

इन अपग्रेड का उद्देश्य पहुंच और गुणवत्ता दोनों में सुधार लाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक प्रसारक निजी टेलीविजन चैनलों और डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभुत्व वाले वातावरण में प्रतिस्पर्धी बने रहें।

क्षेत्रीय निवेश

बिहार में, आधुनिकीकरण अभियान के तहत आकाशवाणी केंद्रों के लिए 64.56 करोड़ रुपये और दूरदर्शन केंद्रों के लिए 4.31 करोड़ रुपये की पूंजी प्रतिबद्धता शामिल है। यह धनराशि दर्शकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल प्रसारण उपकरण, उन्नत उत्पादन सुविधाओं और उन्नत सामग्री वितरण प्रणालियों की शुरूआत में सहायता करेगा।

लोक सेवा प्रसारण को मजबूत बनाना

सरकार ने बीआईएनडी योजना को एक व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में स्थापित किया है ताकि विश्वनीय समाचार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और शैक्षिक सामग्री विशेष रूप से वंचित ग्रामीण और क्षेत्रीय बाजारों में, प्रदान करने में लोक प्रसारण की भूमिका को मजबूत किया जा सके।

राष्ट्रीयस्तर पर बुनियादी ढ़ांचे को उन्नत करके, इस पहल का उद्देश्य हैः

- उच्च गुणवत्ता वाली ऑडियो–वीडियो सामग्री को दूरस्थ और सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंचाना।
- आपातकालीन प्रसारण क्षमताओं को बढ़ाना।
- कई भाषाओं में क्षेत्र विशिष्ट सामग्री के उत्पादन को समर्थन देना।

बदलते मीडिया परिदृश्य में प्रासंगिक बने रहना

दर्शकों की बदलती आदतों और डिजिटल–प्रथम उपभोग में तेजी से वृद्धि के साथ, आकाशवाणी और दूरदर्शन का आधुनिकीकरण प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नियोजित अपग्रेड न केवल तकनीकी क्षमताओं में सुधार करेगा, बल्कि हाइब्रिड और इंटरैक्टिव प्रारूपों के लिए भी द्वारा खोलेगा, जिससे सार्वजनिक प्रसारक युवा, तकनीक प्रेमी दर्शकों के और करीब आयेंगे।

यदि प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया गया, बीआईएनडी योजना भारत के सरकारी स्वामित्व वाले प्रसारण ढ़ांचे में दशकों में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती है, जिससे आकशवाणी और दूरदर्शन को खंडित, ऑन डिमांड मीडिया बाजार में ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति मिल जायेगी।■